DJ-National Date:-06-01-2019 Page:-02

पुस्तक मेला

साहित्य के इस खजाने में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक सभी पुस्तकें चुनते दिखाई दिए। पहले दिन करीब 50 हजार पुस्तक प्रेमी मेले में पहुंचे

साहित्य के खजाने से चुने 'ज्ञान के मोती'

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

27वें विश्व पुस्तक मेले के पहले दिन शनिवार को पुस्तक प्रेमियों के उत्साह पर ठिठुरन भरी ठंड भी बेअसर रही। हर उम्र के पुस्तक प्रेमियों की अच्छी खासी संख्या मेले में देखने को मिली। पहले ही दिन पुस्तक प्रेमियों के इस उत्साह से जहां प्रकाशक खुश दिखाई दिए। वहीं साहित्य के इस खजाने में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक सभी ज्ञान के मोती (पुस्तकें) चुनते दिखाई दिए। शनिवार सुबह ठिठुरन और दिन में बारिश की भी संभावना से ऐसा लग रहा था कि पहला दिन खाली ही रहेगा। मगर ऐसा हुआ नहीं, पहले दिन करीब 50 हजार पुस्तक प्रेमी मेले में पहुंचे। इसमें सबसे अधिक भीड़ बाल मंडप, हिंदी व अंग्रेजी साहित्य की तरफ दिखाई दी। अंतरराष्ट्रीय पुस्तकों के प्रति भी दर्शकों में काफी दिलचस्पी रही। प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार, एपीएन पब्लिकेशंस के निर्भय कुमार और एमबीडी ग्रुप की निदेशक मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने पहले दिन की पहल-पहल पर खुशी जाहिर की। साथ ही रविवार को पुस्तक प्रेमियों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद जताई।

प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में लोगों की भीड़। जागरण

बच्चों की जरूरतों पर भी फोकस

हॉल नं. 7 में बाल मंडप में बच्चों की जरूरतों पर भी खास फोकस किया गया है। एमबीडी बुक्स की प्रमुख मोनिका मल्होत्रा कंधारी ने बताया कि शिक्षा में भी अब तकनीक का प्रयोग बढ़ रहा है। इसीलिए कहानियों के साथ साथ अब पठन सामग्री में भी नए नए प्रयोगों का समावेश होने लगा है। इस बार पुस्तक मेले में भी यह नजारा साफ दिखाई दे रहा है।